Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Maharishi Narad Jayanti Celebrated at CUH

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-05-2022**

कार्यक्रम

देवऋषि नारद की जयंती पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा किया गया कार्यक्रम का आयोजन

निर्णय करना होगा कि खबर जनहित में है या नहीं : कुलपति प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यू एजेंसी

महेंद्रगढ़। आज का दौर सूचनाओं का दौर है। ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना, समझना जरूरी है। विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हों। अदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जाएंगे। आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विशेषज्ञ वक्ता विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वर्तमान में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर जनहित में है और कौन नहीं। उन्होंने पत्रकारिता को एक ऐसे विषय बताया जिसमें विशेषज्ञता के लिए किसी भी व्यक्ति का मल्टीडिसिप्लिनरी स्वेन के साथ विकास करना जरूरी है। पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य में निखार आता है। इसलिए इस क्षेत्र में सफलता के लिए निरंतर लगन, नेक नीयत के साथ आगे बढ़ें और नया सीखने के लिए सक्रिय रहें। वक्ता राजेश कुमार ने सिकंदर, मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया, जिनकी जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर उसे बेहतर दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। उन्होंने युवा, भावी पत्रकारों से कहा कि वह अपने समय को संवार के विभिन्न माध्यमों पर स्वयं गढ़ने की बजाय उन माध्यमों का प्रयोग अपने सपनों के विकास पर लगाएं। विभिन्न विषयों पर वैचारिक विमर्श को बढ़ाएं। इससे पूर्व में विश्व संवाद केंद्र के जिला प्रमुख कैलाश पाली ने भी देवऋषि नारद और उनकी पत्रकारिता पर प्रकाश डाला।

हकेंविवि में नारद जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता, शिक्षक व अन्य अतिथिगण भंवर

सूचना के दौर में सावधानी पर जोर

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता के मूल्यों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के प्राक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने सूचना के इस दौर में सावधानी पर जोर दिया। कहा कि विभिन्न सूचनाओं के प्रमाण की जांच कितनी आवश्यक है। आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी अधिकारी एस जावक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो.दिनेश कुमार गुप्ता, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. दिलबाग सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-05-2022**

लोकहित में पत्रकारिता की प्रेरणा देते हैं देवऋषि नारद : वीसी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझाना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हो। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जायेंगे, आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए। यह विचार हकेवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख श्री राजेश कुमार

उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदले रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने

कहा कि आज के समय में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नहीं। उनके इसी आंकलन के अनुरूप सूचनाओं का आदान प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ वक्ता राजेश कुमार ने अपने संबोधन में सिकंदर व मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया जिनकी जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर उसे बेहतर दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। इस मौके पर उन्होंने युवा व भावी पत्रकारों से कहा कि वो अपने समय को संचार के विभिन्न माध्यमों पर व्यर्थ गंवाने की बजाय उन माध्यमों का प्रयोग अपनी क्षमताओं के विकास पर लगाए। विभिन्न विषयों पर वैचारिक विमर्श को बढ़ाए और 2047 के भारत की परिकल्पना को साकार करने में योगदान दें। वो भारत जोकि सबल हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो। आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी आलेख एस नायक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. ए.पी.शर्मा, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. दिलबाग सिंह और डॉ. सुरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-05-2022**

'लोकहित में पत्रकारिता का सबक देते हैं नारद'

आज पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नहीं

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझना बेहद जरूरी है, विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हों। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जाएंगे। आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदल रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नहीं।

उनके इसी आंकलन के अनुरूप सूचनाओं का आदान प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। उन्होंने पत्रकारिता को एक ऐसा विषय बताया जिसमें विशेषज्ञता के लिए किसी भी व्यक्ति का मल्टीडिसिप्लनरी सोच के साथ विकास करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य में निखार आता है। विशेषज्ञ वक्ता राजेश कुमार ने अपने संबोधन में सिकंदर व मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया, जिनकी जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी।

इससे पूर्व में विश्व संवाद केंद्र के जिला प्रमुख कैलाश पाली ने भी देवऋषि नारद और उनकी पत्रकारिता पर ध्यानाकर्षित किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को पत्रकारिता के मूल्यों से अवगत कराया। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने सूचना के इस दौर में सावधानी की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी आलेख एस नायक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो.दिनेश कुमार गुप्ता, डा. प्रदीप कुमार, डा. एसी. शर्मा, डा. दिनेश चहल, डा. दिलबाग सिंह और डा. सुरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि नारद जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व अन्य अतिथिगण● सौ. हकेंवि

वि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद ने विषय पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को पत्रकारिता के मूल्यों से अवगत कराया

प्रो. टंकेश्वर कुमार●

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 19-05-2022**

हकेवि में नारद जयंती पर व्याख्यान

- लोकहित में पत्रकारिता का सबक देते देवऋषि नारद- प्रो. टंकेश्वर
- विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार ने किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता, शिक्षक व अन्य अतिथिगण।

आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझाना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हो। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जाएंगे, आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagmarg **Date: 19-05-2022**

लोकहित में पत्रकारिता का सबक देते हैं देवऋषि नारद : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़,(जगमार्ग न्यूज)। आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझाना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका मे हो। आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वो लोकहित मे पत्रकारिता के लिए युगो - युगो तक याद किए जायेंगे, आज के नवोदित पत्रकारो को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित मे पत्रकारिता करनी चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप मे विश्व संवाद केंद्र हरियाणा प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन मे तेजी से बदते रहे सूचना तकनीकी के समय मे उपलब्ध जानकारियो के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित मे पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय मे पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन सी खबर समाज व जनहित में है और कौन सी नही। उनके इसी आंकलन के अनुरूप सूचनाओं का आदान प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। उन्होंने पत्रकारिता को एक ऐसा विषय बताया जिसमें विशेषज्ञता के लिए किसी भी व्यक्ति का मल्टीडिसिप्लनरी सोच के साथ विकास करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य मे निखार आता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 19-05-2022**

लोकहित में पत्रकारिता का सबक देते हैं देवऋषि नारद: प्रो. टंकेश्वर

■हकेंवि में नारद जयंती पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 18 मई (परमजीत, मोहन): आज का दौर सूचनाओं का दौर है और ऐसे में सूचनाओं के महत्व को जानना समझना बेहद जरूरी है विशेषकर तब जबकि आप एक पत्रकार की भूमिका में हो।

आदिकाल के प्रथम पत्रकार देवऋषि नारद की बात करें तो वे लोकहित में पत्रकारिता के लिए युगों-युगों तक याद किए जाएंगे, आज के नवोदित पत्रकारों को उनके जीवन से सबक लेते हुए लोकहित में पत्रकारिता करनी चाहिए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा

संबोधित करते राजेश कुमार।

प्रांत के प्रचार प्रमुख राजेश कुमार उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में तेजी से बदल रहे सूचना तकनीकी के समय में उपलब्ध जानकारियों के बीच पत्रकारिता के मूल्यों और लोकहित में पत्रकारिता के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि आज के समय में पत्रकार को यह निर्णय करना होगा कि कौन-सी खबर समाज व जनहित में है और कौन-सी नहीं। उनके इसी आकलन के अनुरूप सूचनाओं का आदान-प्रदान हो तो पत्रकारिता के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है।

एक पत्रकार को विभिन्न विषयों की जानकारी होने से उसके कार्य में निखार आता है इसलिए निरंतर लगन व नेक नीयत के साथ आगे बढ़े और नया सीखने के लिए तत्पर रहे।

वैचारिक विमर्श से ही समाज की सोच की जा सकती है विकसित: राजेश

आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ वक्ता राजेश कुमार ने अपने संबोधन में सिकंदर व मुगल साम्राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह से वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर इतिहास में एक वैचारिक मत का निर्माण करते हुए उन महत्वपूर्ण तथ्यों को नजरअंदाज किया गया जिसकी जानकारी जन-जन के लिए आवश्यक थी।

उन्होंने कहा कि वैचारिक विमर्श ही वह माध्यम है जिसके आधार पर एक समाज की सोच को विकसित कर उसे बेहतर दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। इस मौके पर उन्होंने युवा व भावी पत्रकारों से कहा कि वे अपने समय को संचार के विभिन्न माध्यमों पर व्यर्थ गंवाने की बजाय उन माध्यमों का प्रयोग अपनी क्षमताओं के विकास पर लगाएं।

विभिन्न विषयों पर वैचारिक विमर्श को बढ़ाएं और 2047 के भारत की परिकल्पना को साकार करने में योगदान दें। इससे पूर्व में विश्व संवाद केंद्र के जिला प्रमुख कैलाश पाली ने भी देवऋषि नारद और उनकी पत्रकारिता पर ध्यानाकर्षित किया।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने सूचना के इस दौर में सावधानी की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि विभिन्न सूचनाओं की प्रमाणित की जांच कितनी आवश्यक है।

आयोजन में मंच का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी आलेख एस. नायक ने किया। आयोजन के अंत में प्रो. पवन मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।